ऐजन्सी है जो पिछले सात वर्षों से हिन्दी में समाचार भेजती है;

(ख) क्या यह सच है कि केवल कुछ थोड़े से स्थानों पर ही हिन्दी टेलीप्रिन्टर लगाये गये हैं जिस के फलस्वरूप उक्त ऐजन्सी को हिन्दी के माध्यम से भारत के विभिन्न स्थानों में समाचार प्रेषित करने में बड़ी कठिनाई होती है और

(ग) यदि हां, तो यथासंभव शीघ्र यह स्थिति सुधारने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (डा० पी० सुब्बारायन) (क) जी हां, इस में केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के प्रेस एवं लोक सूचना ब्यूरो सम्मिलित नहीं हैं ।

(ख) ऐसे तारघरों की संख्या १५०० से ऊपर है, जो प्रेस तारों सहित देवनागरी लिपि में लिखे भारतीय भाषाओं के तारों को स्वीकार करते हैं तथा उन का वितरण करते हैं । इन सब तारघरों में 'मोर्स' पर काम होता है । इन दफ्तरों में हिन्दी के माध्यम से समाचार भेजने में कोई कठिनाई प्रतीत नहीं हुई है

(ग) यह प्रश्न ही नहीं उठता ।

राष्ट्रीय दुग्धशाला अनुसंधान संस्था, करनाल

२६०५. **स्वामी परमानन्द शास्त्री** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या १ अगस्त, १९५८ से राष्ट्रीय दुग्धशाला अनुसन्धान संस्था, करनाल के लिये दुग्धशाला अधीक्षकों के पदों पर कोई नियुक्तियां की गई हैं,

(ख) यदि हां, तो कितनी रिक्तियों का विज्ञापन किया गया था और उन में से कितने पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित रखे गये थे,

(ग) अनुसूचित जाति के कितने उम्मीदवार साक्षात परीक्षा के लिये बुलाये गये और उन में से कितने चुने गये; और

(घ) यदि उन में से कोई भी नहीं चुना गया तो उस के क्या कारण हैं ?

कृषि उपमंत्री (श्री एम०वी० कृष्णप्पा): (क) १ अगस्त, १९५८ से कोई भी दुग्धशाला अधीक्षक नियुक्त नहीं किया गया है । लेकिन राष्ट्रीय दुग्धशाला अनुसन्धान संस्था,करनाल के लिये एक अस्थायी अधीक्षक (सम्पत्ति) का पद हाल ही में खुले विज्ञापन और चुनाव के द्वारा भरा गया है ।

(ख) अधीक्षक (सम्पत्ति) का पद अनुसूचित जाति / आदिम जाति उम्मीदवारों के लिये सुरक्षित था ।

(ग) और (घ) दो अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों को ऊपर लिखे पद के लिये इन्टरव्यू के लिये बुलाया गया पर केवल एक उम्मीदवार ११ अगस्त , १९५९ को चुनाव समिति के द्वारा हुए इन्टरव्यू में आया । क्योंकि समिति ने उस व्यक्ति को उस पद के लिये उपयुक्त नहीं समझा, इस कारण इस पद को असुरक्षित मान लिया गया और एक अन्य उस उम्मीदवार की नियुक्ति कर दी गई जोकि असुरक्षित जाती का है और जिस के पास आवश्यक योग्यता है तथा वह बागबानी में अनुभव रखता है ।

रायपुर में ग्रामीण विश्वविद्यालय

२६०६. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा